टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

22R

संस्कृत विशारद (बी.ए.) – नियमित

परीक्षा : मे – २०२४

सत्र ४ थे

विषयः कुमारसम्भवम् (22R442)

दिनांक : २३/०५/२०२४ **गुण : ६०** **वेळ : दु. २.०० ते ४.३०**

सूचना : सर्व प्रश्न अनिवार्य

प्र. १. द्वे वाक्ये ससन्दर्भं स्पष्टीकुरुत। (२०)

१. क्लेशः फलेन पुनर्नवतां विधत्ते।

२. न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।

३. द्विसंश्रयां प्रीतिमवाप लक्ष्मीः।

४. शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्।

प्र.२. अ) दशानां रूपपरिचयं कारयत। (१०)

१. ताड्यमाना	२. विमुच्य	३. वपुः	४. पतत्रिणः
५. शशाक	६. पार्वति	७. चक्षुषा	८. प्रचक्रमे
९. अनेन	१०. वद	११. दृश्यते	१२. देवभूमयः

आ) दशानां सामासिकपदानां विग्रहं कृत्वा समासनाम लिखत। (१०)

१. कृताभ्यनुज्ञा	२. पङ्कजम्	३. गिरीशः	४. मनोरथज्ञम्
५. शरीरमार्दवम्	६. पद्मनिर्मितम्	७. अनुज्झितक्रमः	८. क्रीडारसम्
९. बालव्यजनम्	१०. विधिप्रयुक्ता	११. देवदेवः	१२. अपरिग्रहः

इ) दश सन्धीन् विघटयत। (१०)

१.तवास्ति	२. पितुर्गृहे	३. प्रदेशास्तव	४. तच्च
५. अतोऽत्र	६. पुनर्ग्रहीतुम्	७. स्थण्डिल एव	८. तपश्चचार
९. द्वयेऽपि	१०. केनापि	११. मन्त्रपूतमर्हन्ति	१२. यदैव

प्र.३. एकं प्रश्नं सविस्तरं विवृणुत। (१०)

१. कालिदासेन कृतं हिमालयवर्णनं लिखत।

२. पञ्चमे सर्गे चित्रितं पार्वत्याः तपः विवृणुत।